RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

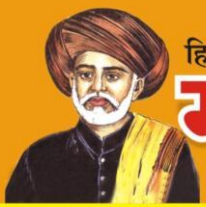

हिन्दी मासिक

माली सैनी सन्देश

जोधपुर

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

वर्ष : 13 | अंक : 152 | 28 फरवरी, 2018 | मूल्य : 20/-

समाज की
642 वर्ष पुरानी

'मण्डोर राव'

की अनूठी एवं
ऐतिहासिक गेर

समाज के सभी बंधुओं एवं सुधि पाठकों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

जन्मदिन विशेष

मारवाड़ के लोकप्रिय राजनेता

श्री राजेन्द्रसिंह सोलंकी

जोधपुर में कांग्रेस की कोई सभा, कोई सम्मेलन या गोष्ठी में जाइये और वहां एक व्यक्ति सदा उपस्थित मिलेगा और वह है श्री राजेन्द्रसिंह सोलंकी। पिछले 27 वर्षो से वह कांग्रेस के प्रमुख नेता के रूप में सर्वप्रसिद्ध है। श्री राजेन्द्रसिंह का जन्म 13 फरवरी 1955 को महामन्दिर जोधपुर के श्री अचलुराम जी के परिवार में हुआ और अपनी शिक्षा पूर्ण कर 1974 मे कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता बन गये। वह प्रारम्भ में ही राजस्थान के वर्तमान मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के पूर्ण सहयोगी रहे है और यही कारण है कि वह आज भी श्री अशोक गहलोत के विश्वस्त मित्र है। जोधपुर में ऐसा कोई आयोजन नहीं होता जिसमें वह श्री अशोक गहलोत के साथ न रहते हों। वह मुख्यमंत्री रोगगार योजना समिति के सदस्य रह चुके है। जोधपुर नगर में कच्ची बस्तियों की भरमार है और यहां की आवास समस्याओं को निपटाने में इन मुख्य रूप से योगदान रहता है। इन्हीं करणों से जोधपुर की जनता अपने दुःख–दर्द को दूर करने के लिए सदैव उनकी सहायता लेती है।

श्री सोलंकी बाबु लक्ष्मणसिंह सेवादेवी गहलोत मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी जोधपुर एवं दहेज उर्फ महिला उत्पीड़न निवारण समिति के अध्यक्ष हैं तथा जनकल्याणकारी कार्यों में सदा लगे रहते हैं। युवा नेता होने के कारण भारतीय यूथ हॉस्टल एसोसियेशन की जोधपुर शाखा के आजीवन सदस्य है तथा युवकों को सलाह व सुख सुविधाएं देते रहते हैं। वह आर्यसमाजी विचारों के होने के कारण आर्य सम्मेलन आयोजित करते रहते हैं। जोधपुर आर्य समाज के भी वह स्थाई सदस्य है। जोधपुर आर्य वीर दल के वह संयोजक भी है।

शिक्षा के क्षेत्र में वह बड़ी रूचि लेते रहते हैं। श्री सुमेर उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रबन्ध समिति के भी आप सदस्य रह चुके हैं। यहीं नहीं अपने पिताजी की स्मृति में सुमेर स्कुल प्रांगण में आपने बालिका शिक्षा हेतु विशाल भवन बनाने के लिए 50लाख का सहयोग भी किया। जिसमें आज सैकड़ों विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे है। आपकी सोच हमेशा सकारात्मक रही है। बाल विद्या भवन की कार्यकारिणी के भी सदस्य रहते शिक्षा में अपूर्व योगदान दिया। महामन्दिर, जोधपुर की राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की स्थापना में इनका मुख्य प्रयास रहा। लोगों के चरित्र निर्माण तथा यहां की सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बड़ी रूचि लेते हैं। जोधपुर एक महत्वपूर्ण संस्कृति व चरित्र निर्माण में इनका अपूर्व योगदान रहा है।

श्री राजेन्द्रसिंह व्यवसाय से पत्थर उद्योग से सम्बन्धित है वह जोधपुर पत्थर उद्योग संस्था के अग्रणीय कार्यकर्ता है। वह पर्यावरण के लिये भी सचेत रहते है और इस कारण वन व पर्यावरण की सुरक्षा हेतु सदैव तत्पर रहते हैं। जीव–दया एवं प्राकृतिक आपदा के समय आपकी भूमिका सदैव सक्रिय रही है। वर्ष 2000 के शताब्दी के भीषणतम् अकाल के समय मरूप्रदेश के दूरस्थ गाँवों–ढाणियों में मूक पशुओं के लिये चारे की 26 गाड़िया एवं पशु आहार से सेवा कार्य किया।

वहीं दूसरी ओर 26 जनवरी 2001 को गुजरात में आए प्रलंयकारी भुकम्प के समय भुकम्प पीड़ितों की सहायतार्थ 20 ट्रक राहत सामग्री एवं क्षतिग्रस्त मार्गो का मलबा हटाने हेतु पाँच ट्रोलर मशीने इत्यादि लेकर ता–अन्तार लीला कच्छ–भुज में पन्द्रह दिन तक राहत एवं सहायता केन्द्र स्थापित कर सेवा कार्य किया। गांधी धाम में क्षतिग्रस्त गांधी स्मारक स्थल का पुनः निर्माण का कार्य भी किया। इस कार्यक्रम में श्रीमती सोनिया गांधी ने भी शिरक्त की थी।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आपको जोधपुर विकास प्राधिकरण का चैयरमेन नियुक्त किया था अपने कार्यकाल में जोधपुर के सभी वर्गो के लोक हितार्थ अनेकों विकास के कार्यो को बिना किसी के भेदभाव के किया चाहे वो श्मशान घाट हो या फिर सड़क, सामुदायिक हॉल एवं मकानों के पट्टों से संबधित कार्य हो। राजेन्द्रसिंह के पास जो भी अपना कार्य लेकर गया उसे किसी भी प्रकार की निराशा नहीं होती थी। राजेन्द्रसिंह की कार्यशैली व कार्यक्षमता के साथ ही सभी समाज के वर्गो में अपनी छवि के चलते ही स्वर्गीय मानसिंह देवड़ा के पश्चात जोधपुर के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता के रूप में पहचाने जाते है।

इस प्रकार श्री राजेन्द्रसिंह सोलंकी जोधपुर के एक अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं जन जाग्रति के अपूर्व नेता है। माली सैनी संदेश परिवार आपके जन्मदिवस पर हार्दिक बधाई के साथ ही दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की शुभकामनाएं प्रेषित करता है।

गौ-सेवा, अनाथ आश्रम, वृद्धाश्रम, चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर में भाग ले मनाया 63वां जन्म दिवस

आदरणीय राजेन्द्रसिह सोलंकी साहब का 63 वां जन्मदिवस विशेष अंदाज में मनाते हुए बेरी गंगा गौशाला में गौ-सेवा की साथ ही माता का थान स्थित माधव उद्यान में यश सोलंकी के नेतृत्व में आयोजित रक्तदान शिविर में करीब 137 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। इसके साथ ही राजेन्द्र सिंह सोलंकी ने Hepse & Tepse मे केक काटकर खास बच्चों के बीच मनाया गया इस परिसर को सोलंकी साहब ने बहुत सारी सौगाते दी। चौपासनी हा. बोर्ड के लव-कुश आश्रम में अनाथ बच्चों को भी सौगातें बांटी साथ ही बच्चों ने अपने हाथों से बनाये हुए साफा, माला ओर फूलो का गुलदस्ता देकर राजेन्द्र सोलंकी का स्वागत किया। जोधाणा वृद्धाश्रम महामंन्दिर जोधपुर में भी जेडीए के पूर्व चेयरमैन श्री राजेन्द्रसिंह जी सोलंकी ने अपना जन्मोत्सव वृद्धजनों के बीच सेलिब्रेट किया। बुजुर्गों के भरपूर आशीर्वाद और प्यार से अभिभूत श्री सोलंकी ने पुष्पवर्षा के साथ केक काटा, बुजुर्गों को शाल और माल्यार्पण से बहुमान किया। राजेन्द्र सोलंकी ने सभी के साथ स्नेह भोज, उपहार दान कर वृद्धजनों के बीच खुशियाँ बांटी।

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831 Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

माली सैनी सन्देश

सम्पादक मण्डल ● वर्ष :13 ● अंक 152 ● 28 फरवरी, 2018 ● मूल्य : 20/- प्रति ●

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम, जोधपुर)

सह संरक्षक:

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला - उपाध्यक्ष,भाजपा, जोधपुर)

प्रेस फोटोग्राफर
जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

मार्केटिंग इंचार्ज
रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर
इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ सम्पादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

आगामी आयोजन

प्रदेश माली महासभा का को प्रदेश स्तरीय जन प्रतिनिधी सम्मेलन
रविवार : दिनांक 25, मार्च, 2016
स्थान : विद्याधर नगर 3 सेक्टर स्थित महात्मा ज्योति बा फुले राष्ट्रीय संस्थान राजस्थान जयपुर

संपर्क : 9929047816, 7073662337, 7023443524, 9829613326, 9079721654, 7742335329

समाज का इतिहास . . .

(समाज के सभी वर्गो के निवेदन पर माली समाज के इतिहास की संपूर्ण जानकारी - पार्ट 10)

माली जाति की उत्पति ...

इतिहासविद्
स्व. श्री सुखबीर सिंह गहलोत के
ग्रंथ राजस्थान का माली सैनी समाज
से साभार.....

मनीष गहलोत

सैनी

माली जाति को सैनी जाति भी कहा जाता है। इतिहासकार जगदीशसिंह गहलोत के माली जाति के लोग खेती में खाद का ज्यादा प्रयोग करने के कारण उत्तर भारत में 'रसायनी' कहलाने लगे और इसी कारण यह जाति 'रसायणी' या सैनी नाम से प्रसिद्ध हुई। उनके अनुसार 'माली' व 'सैनी' दोनों एक ही जाति है ।

सैनी जाति के एक अन्य इतिहासकार बलदेवसिंह आजाद ने अपनी पुस्तक 'सैनी क्षत्रिय समाज का इतिहास' में सैनी जाति की उत्पत्ति और मूल स्थान के विषय में विस्तार से प्रकाशन (पृ. 13 से 27) डाला है। उनके अनुसार यादव वंश के वृष्णि के कनिष्क पुत्र अनामित्र के पुत्र सिनी के वंशज युगधरू (इसका वंशवृक्ष अलग से दिया गया है) ने सरस्वती नदी के किनारे अपना राज्य स्थापित किया था (महाभारत पर्व 67,184–253) व पूर्व 17 (1,8,91) जो संभवतः संघ गणराज्य था। यह राज्य शूरपुरा, मथुरा व मार्तिक वेट के शूरसैनी राज्यों से भिन्न सैनी राज्य था। ये सब चन्द्रवंशी व यदुवंशी थे। यह भी संभव है कि समस्त राज्यों का एक संघ रहा हो जो गूरसैनी (यमुना के किनारे शूर सैनी प्रदेश) कहलाता था। ऋग्वेद में सरस्वती नदी का स्थान यमुना व सतलज के बीच दिया गया है।

बलदेवसिंह आजाद ने आगे (पृ. 27 पर) लिखा है कि सैनी का अर्थ श्रेणी होता है और श्रेणी गणराज्य के सैनियों का यह नाम मध्यकाल में झंझावत में सैनी (अपभ्रंश) हो गया होगा। ऐसी दशा में सैनी जाति श्रेणी गाथा की प्रतिनिधि ठहरती है व उसका क्षत्रिय आर्यवर्ण होना भी सिद्ध होता है ।

आज भी पंजाब व हरियाणा व दिल्ली क्षेत्र में बहुत बड़ी संख्या में सैनी बसते हैं क्योंकि इसी क्षेत्र में सतलज व सरस्वती के मध्य श्रेणी राज्य स्थित था । प्रसिद्ध इतिहारकार परजीटर ने अपनी पुस्तक 'एशिया इण्डिया हिस्टोरिकल ट्रेडिसन्स (सन् 1922 प्रकाशन, पृ. 105–106) में पुराणों के आधार पर वृष्णि वंश का वृक्ष इस प्रकार दिया है–

यदुवंश का वृष्णि

सुमित्रा अधजित देवमेघ अनामित्र शूर सैनी
वासुदेव सात्यक बलराम कृष्ण युयुधन (सात्यकी)

इतिहासकार परजीटर ने स्पष्ट लिखा है कि वृष्णि के कनिष्ठा पुत्र अनामित्र के पुत्र व उसके वंशज सैनी कहलाये । इतिहासकार ए.डी. पुसल्कर ने भी 'हिस्ट्री' एण्ड कल्चर ऑफ दि इण्डियन पीपल्स (भाग 1, पृ. 298 व 318) में लिखा है कि वृष्ण के सबसे छोटे पुत्र अनामित्र के वंशज उसके पुत्र सिनि के कारण सैन्य अथवा सैनी कहलाये। महाभारत के मोषल पर्व अध्याय 16 में भी लिखा हैं –

अद्यप्रभृति सर्वेषु वृष्णयन्धककुलिष्विह ।
सुरासवो न कर्क्राव्यो सर्वेनास्वसिभिः ।।

महाभारत के मोशल पर्व अध्याय 3 में भी लिखा हैं –

वतेडन्धकाचश्र भोजचश्र शैनेय या वृष्णयस्तथा ।
जन्नुरयोडत्य–मकृन्दे मुषले काल चौदिताः ।।

क्रमश :.....

सामूहिक विवाह में डिजिटल इंडिया की पहल, वधुओं के खोले खाते, 20 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

सम्मेलन में कन्या भ्रूण हत्या रोकने के संकल्प के साथ भारतीय संस्कृति को आत्मसात करने का आठवां वचन

बडू। सात वचनों के बाद आठवें वचन में अपनी संस्कृति का आत्मसात करने और कन्या भ्रूण हत्या रोकने के संकल्प के साथ पंडित विमल शास्त्री के सान्निध्य में बडू में 6 गांव माली सैनी समाज के सामूहिक विवाह समारोह में 20 जोड़े पवित्र अग्नि को साक्षी मान कर परिणय सूत्र में बांधे। इस अवसर पर समाज के हजारों लोगों के साथ जनप्रतिनिधियों ने बडू पहुंच कर कन्यादान करने के बाद समारोह में भाग लिया। समारोह में 20 जोड़ो के साथ एक जोड़ा तुलसी और सालिगराम का भी रहा जिसका समाज ने वैदिक रीति–रिवाज के साथ विवाह करवाया। विवाह समारोह समिति के तत्वावधान में आयोजित 20वें समारोह के मुख्य अतिथि नागौर नगर परिषद सभापति कृपाराम सोलंकी थे। अध्यक्षता बिरदीचंद भाटी ने की। समारोह में कांग्रेस जिलाध्यक्ष पूर्व विधायक जाकिर हुसैन गैसावत, प्रधान हिम्मतसिंह राजपुरोहित, लच्छाराम बड़ारड़ा , सैनी समाज राष्ट्रीय सभा प्रदेशाध्यक्ष ललिता सैनी, राकेश मेघवाल, मोहनलाल चौहान, बिरदाराम चौधरी, नागौर सैनी समाज पूर्व अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार, परबतसर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी संग्रामसिंह राठौड़ भी मौजूद रहे। विवाह समारोह समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश सांखला, कोषाध्यक्ष प्रेमप्रकाश दग्दी, प्रवक्ता नवरत्न मल सिंगोदिया, महासचिव गणपतलाल सोलंकी, महिला अध्यक्षा मंजू भाटी, बिदियाद अध्यक्ष रामप्रसाद तंवर, परबतसर से शंकर लाल टांक, बोरावड़ अध्यक्ष राजेश भाटी सहित समाज के कई लोगों ने सेवाएं दी। शहर में निकाली बिंदोली, पुष्प वर्षा से किया स्वागत।

सुबह नौ बजे सभी दूल्हों और दुल्हनों की बिंदोली शहर में निकाली गई तथा ग्रामीणों ने जगह जगह पर पुष्प वर्षा से स्वागत किया। शनि मंदिर के पास समारोह आयोजित स्थल पर वरमाला कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उसके बाद पहली बार बैंक ऑफ बड़ौदा की स्थानीय ब्रांच ने विवाह समारोह में वधुओं का खाता खोला। ताकि कन्यादान सहित अन्य राशि खातों में जमा कर दी जाए। प्रबंधक संजू पवन अग्रवाल ने बताया कि ये पहली बार किया गया ताकि लोग डिजिटल इंडिया को लेकर जागरूक हो। कृपाराम सोलंकी ने संबोधित किया।

सोलंकी ने बताया कि अक्षय तृतीय के मौके पर नागौर माली समाज का प्रथम सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। इस दौरान बिरदीचंद तंवर, तिलोक राम गहलोत, मुकनाराम ठेकेदार, मुकेश सैनी, परबतसर रावणा राजपूज समाज अध्यक्ष छीत्तरसिंह पंवार, महिला सुपर वाइजर मूली वैष्णव उपस्थित रहे तथा मेहमानों का सत्कार किया।

बांसी में माली समाज का अधिवेशन आयोजित 260 प्रतिभाओं को पुरुस्कारों से नवाजा, समाजहित में 110 यूनिट रक्तदान, जिलेभर से उमड़े

अपने आप को राजनीति में बनाए रखना इतना आसान नहीं - अशोक सैनी

बांसी। राजनीतिक क्षेत्र चुनौती पूर्ण है, प्रतिस्पर्धा के चलते अपने आप को राजनीति में बनाए रखना इतना आसान नहीं है। यह विचार बांसी माली समाज के प्रतिभा सम्मान एवं अधिवेशन समारोह में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अशोक भादरा ने मुख्य अतिथि पद से संबोधित करते हुए व्यक्त किए। समारोह की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय संयोजक फूले ब्रिगेड के सीपी साइवाड, विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल सैनी ने कहा कि समाज के लोग जिस भी क्षेत्र में हो हमेशा समाज सेवा के लिए तत्पर रहे।

इस दौरान सेवानिवृत एडीएम फूलचंद सैनी, पूर्व प्रधान पोखरलाल सैनी, पूर्व चेयरमैन गोपीलाल सैनी, सांठ गांव चौरासी महामंत्री जमनालाल सैनी सहित ने भी अपने विचार रखे। द्वितीय चरण में मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव ओ. पी. सैनी ने कहा कि माली समाज सेवा भावी कौम है। जो हमेशा समर्पण होकर सेवा करती है। कभी भी इस कौम ने दूसरी कौम का हक छीनने की कोशिश नहीं की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता लघु उद्योग निगम लि. के पूर्व अध्यक्ष सुनील परिहार ने की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सी पी साइवाड राष्ट्रीय संयोजक फूले बिग्रेड ने कहा कि समाज एक परिवार है। समाज हर राजनैतिक लोगों को एक ताकत होती है। आज युवाओं में शिक्षा के प्रति रूझान नजर आ रहा है। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल सैनी ने कहा कि हम सभी हमेशा समाज सेवा के लिए तत्पर रहे। युवाओं का रक्तदान जरूरतमंदों के काम आएगा हमें ऐसे आयोजन ज्यादा से ज्यादा कर समाज के सभी वर्गो को जागरूक व शिक्षित करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज जीएल वर्मा, सचिव माली शिक्षण संस्थान जयपुर के अनुभव चंदेल, महिला प्रदेशाध्यक्ष माली महासभा जयपुर की सीता भाटी, प्रदेश सचिव प्रदेश माली महासभा महेंद्र गहलोत, वार्ड पार्षद राकेश पुटरा, रामचंद्र, बाबूलाल सैनी सरपंच गोठड़ा सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी विचार व्यक्त किए। इससे पूर्व जिलाध्यक्ष सीताराम सैनी, महामंत्री सत्यनारायण सैनी, पूर्व जिलाध्यक्ष बद्रीलाल सैनी, जिला प्रवक्ता टीआर सैनी अतिथियों का स्वागत किया।

युवाओं ने किया रक्तदान

कार्यक्रम में रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया जिसमें 110 युवाओं ने रक्तदान किया गया। कार्यक्रम के संयोजक सत्यनारायण सैनी ने सपत्नीक रक्तदान किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। कार्यक्रम का संचालन समाज सेवी जगदीश पीटीआई एवं नरेश कोटवाल ने किया। शैक्षिक प्रतिभाओं नवनियुक्त 35 कर्मचारी, खेल एवं अन्य 30 प्रतिभाएं सहित समाज की 260 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। 60 जनों को भामाशाह के तौर पर सम्मानित किया गया। सभी रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह दिए।

महाशिवरात्री महोत्सव में उमड़ा जनसलाब, प्रख्यात भजन गायक प्रकाश माली की

भजन संध्या में हुआ महादेव का यशोगान

जोधपुर। मगरा पूंजला मंडोर स्थित माधव उद्यान में शिवरात्रि महोत्सव में श्रद्धा और भक्तिसंगीत का उफान देखने को मिला। यहां प्रख्यात भजन गायक प्रकाश माली ने शिवजी के एक से बढकर एक भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया वहीं उनके साथी ओमप्रकाश ने अपनी चुटीली एंकरिंग से भक्तों को बार–बार हंसाया। बड़ा रामद्वारा चांदपोल के संत हरिराम शास्त्री के सान्निध्य में हुई भजन संध्या में महापौर घनश्याम ओझा, माली संस्थान के अध्यक्ष पुखराज सांखला, जोधपुर भवन हरिद्वार के अध्यक्ष बाबूलाल पंवार, सेवादल अध्यक्ष हरेंद्रसिंह राठौड़, ट्रस्टी आनंद कच्छवाहा, पूर्व भाजपा शहर अध्यक्ष नरेंद्रसिंह कच्छवाहा, महेंद्र तंवर, पार्षद किशोरसिंह टाक, सुषमा परिहार, चिमनसिंह, राज गहलोत, नवनीत जैन भी उपस्थित थे। माधव पर्यावरण सोसायटी के सुभाष गहलोत ने बताया, कि सुबह जलाभिषेक के बाद रोग जांच एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। मगरा पूंजला स्थित माधव उद्यान में आयोजित भजन संध्या में महादेव का बखान किया गया। भजन गायक अनिल देवड़ा ने रोचक प्रस्तुति दी। माली छंवरलाल व सोनू कंवर ने भी मनमोहक भजन सुनाए। हास्य कवि दिनेश दीवाना ने हास्य कविताओं की प्रस्तुति दी। माधव पर्यावरण सोसायटी के सुभाष गहलोत ने बताया, कि कार्यक्रम में जेडीए के पूर्व चेयरमैन राजेंद्रसिंह सोलंकी, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष राजेंद्र गहलोत सहित कई लोग मौजूद थे।

नृत्य नाटिका में साकार हुआ गौ माता के संरक्षण-संवर्धन का संदेश

जोधपुर। गोवर्धन पर्वत को एक अगुंली पर उठाकर खड़े भगवान श्रीकृष्ण ...उधर गाय द्वारा बछड़े को जन्म देने के बाद करुणा भाव दिखाता शेर...ऐसे ही दृश्यों का मंचन बुधवार रात माता का थान स्थित माधव उद्यान में हुआ, जिसे देखकर लोगों ने खूब आनंद लिया। कर्नाटक के मंगलोर स्थित शक्ति दर्शन योगाश्रम की ओर से गौ माता के संरक्षण एवं संवर्द्धन को लेकर योगाश्रम से जुड़े कलाकारों ने रोचक प्रस्तुति दी। नृत्य नाटिका के दृश्यों में राक्षसों व देवताओं द्वारा समुद्र मंथन करने और गौ माता के अवतरण होने के दृश्यों का जीवंत मंचन कलाकारों ने किया। उनकी भाव–भंगिमाओं पर दर्शक झूम उठे। माता का थान माधव उद्यान के सुभाष गहलोत ने बताया, कि योगाश्रम की ओर से जोधपुर में 35वां कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर मनोहर सांखला, माली छंवरलाल गहलोत, हरिसिंह गहलोत, रामचंद्र परिहार, देवेंद्र परिहार, देवेंद्र सांखला, डूंगरसिंह गहलोत, अमित परिहार, ठेकेदार रामदयाल गहलोत, राजेश गहलोत, गोपाराम व कैलाश आर्य सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र की महिलाएं और पुरुष मौजूद थे।

गाय के क्रोध से राजा की हार के दृश्य ने दिल को छुआ

एक ऋषि के यहां राजा कौशिक के सैनिकों का पहुंचना और कामधेनु की कृपा से ऋषि द्वारा उन्हें भोजन कराने के बाद राजा द्वारा ऋषि से गाय मांगने की कथा का मंचन हुआ तो पंडाल में हर कोई कलाकारों की दाद देते नजर आया। इस दृश्य में राजा द्वारा गाय को ले जाने का प्रयास करने और गाय के क्रोधित होकर सैनिकों को हराने और राजा के गाय के समक्ष नतमस्तक होने का दृश्य ने सभी के दिलों को छू लिया।

गौ संरक्षण की शपथ दिलाई

नृत्य की प्रस्तुति के अंत में योगाचार्य देच बाबा की मौजूदगी में कलाकारों ने अपना परिचय देकर सभी को गौ संरक्षण की शपथ दिलाई। पंडाल में मौजूद लोगों ने जीवन में कभी गाय को कष्ट नहीं पहुंचाने और सदैव गाय की सेवा करने का भी संकल्प लिया।

नाटिका के दौरान भगवान शिव ने गौ की महिमा बताई।

इंद्र को क्रोध आया तो भोले शंकर प्रकट हुए

गोकुल में भगवान श्रीकृष्ण के गोवर्धन पर्वत का पूजन कराने व गोवर्धन पर्वत को उठाने पर इंद्र के क्रोधित होकर प्रभु पर वार करने का मन बनाने का दृश्य भी दर्शनीय रहा। इस दृश्य में भगवान भोले शंकर के प्रकट होकर गोवर्धन पर्वत के नीचे गायों के खड़े होने का हवाला देने व इंद्र का क्रोध शांत होने के साथ गाय की गूंजी महिमा के दृश्य ने पंडाल में मौजूद लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया।

छुट्टन लाल सैनी को प्रदेशाध्यक्ष के लिए समस्त कार्यकारिणी ने किए अधिकार हस्तांतरित

प्रदेश माली महासभा का 26 मार्च को प्रदेश स्तरीय जन प्रतिनिधी सम्मेलन

जयपुर। राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा रजि० की ओर से आगामी रविवार, दिनाँक 25 मार्च,2018 को जयपुर विद्याधर नगर 3 सेक्टर स्थित महात्मा ज्योति बा फुले राष्ट्रीय संस्थान राजस्थान जयपुर के प्रांगण पर प्रदेश स्तरीय जन–प्रतिनिधी सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा।

यह जानकारी देते हुये महासभा के महामंत्री (मुख्यालय) एडवोकेट मनोज अजमेरा ने बताया कि महासभा के समयबद्ध एंव चरणबद्ध किये जाने सकारात्मक कार्यक्रमों की श्रृंखला में महासभा के चेयरमेंन ओंकार राम कच्छावा व प्रदेशाध्यक्ष छुट्टनलाल सैनी फूलवाले ने निर्देशानुसार इस वृहद प्रदेश स्तरीय जन–प्रतिनिधि सम्मेलन में प्रदेश के समस्त वर्तमान एंव पूर्व में रहे मंत्री, बोर्ड निगम चेयरमेंन, सदस्य विधायकगण, जिला प्रमुख, सदस्य, प्रधान पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, पंच, मेयर, नगर परिषद/नगर पालिका पार्षद, मनोनीत पार्षद, मंडी व सहकारिता संस्थाओं के जनप्रतिनिधि, चुनाव लड़े जीते/हारे हौसला वान प्रतिनिधि, व्यापर व आधोगिक संस्थानों के पदाधिकारी, सरकारी एंव अर्धसरकारी संघों के पदाधिकारी, व सभी छात्र संगठनों के ऊर्जावान साथी..सभी राजनितिक पार्टी के सम्मानीय पदाधिकारीगन, समाज की अन्य पंजीकृत सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारीगण, के अलावा चिंतक,विचारक एंव प्रबुद्धजन को आमंत्रित किया जाएगा।

महासभा के वरिष्ठ महामंत्री राजेन्द्र मावर ने बताया कि महासभा के चुनावी समर में तब्दील इस आयोजन पर सामाजिक सरोकारों के अलावा राजनीतिक समसामयिक विषयों पर सार्थक विचार आमंत्रित कर चिंतन एंव मनन किया जाएगा... महामन्त्री मनोज अजमेरा ने बताया कि जनप्रतिनिधि सम्मेलन की सफलता के लिये जिलेवार व लोकसभा वार महासभा द्वारा समन्वयकध्प्रभारियों को जिम्मेदारी दी जा रही है जो अपने प्रभार वाले क्षेत्र में जाकर उचित डेटा–बेस समन्वय स्थापित कर ब्लाक, वार्ड, तहसील एंव विधानसभा क्षेत्रवार आयोजन की सफलता के लिये अलख जगायेंगे।

इससे पूर्व 11 फरवरी को राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा रजि० के पदाधिकारीगण,कार्यकारिणी सदस्य जिला अध्यक्ष, लोकसभा संयोजक एंव विशेष आमन्त्रित सदस्य की एक आवश्यक बैठक में चेयरमेंन ओंकार राम कच्छावा जी अध्यक्षता में आज महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान विद्याधर नगर स्थित महात्मा फुले प्रांगण में आहुत की। बैठक में चेयरमेंन ओंकार राम कच्छावा जी ने सभी की उपस्थिति में आम सहमति से महासभा के प्रदेशाध्यक्ष गुलाब गहलोत जी के स्वास्थ्य लाभ होने तक समस्त अध्यक्षीय अधिकार महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष छुट्टन लाल फूलवाले को हस्तांतरित किये है तथा अब श्री छुट्टन लाल सैनी फूलवाले बतौर प्रदेशाध्यक्ष कार्य करेंगे। महासभा को सक्रिय एंव गतिशील बनाने के अलावा बैठक में उपस्थितजन अपने विचार प्रकट किये।

बैठक में महासभा के संरक्षक एंव पूर्व डांग बोर्ड के चेयरमेंन सत्यनारायण सिंह,मांगीलाल पँवार, पूर्व विधायक भोलाराम सैनी, डॉ जी. एल.वर्मा, पूर्व प्रधान बंशीधर सैनी, बिरधीचन्द सिंगोदिया, आशाराम सैनी, उपाध्यक्ष ताराचंद गहलोत, रूपचंद मारोठिया, ग्यारसीलाल सैनी, श्रीमती मंजू सैनी, वरिष्ठ महामंत्री राजेन्द्र मावर, एडवोकेट मनोज अजमेरा, प्रभाती लाल सैनी, भवानी मल अजमेरा, भवानी शंकर माली, कैलाशराज, भंवरलाल सैनी, नीलम पापटवान, एडवोकेट अनुभव चन्देल, बी.एल.मालाकार, दीपक सैनी(बरकत नगर), सीताराम कटारा, सचिव व प्रवक्ता विनीत साँखला(पूर्व पार्षद) महेंद्र गहलोत, सुमित्रा सैनी, मुकेश बघेल(कोटा), भवानी शंकर धरतीपकड़, के.के.सैनी, भावना सैनी, धीरज सैनी, एडवोकेट अभिषेक सैनी, प्रेम सिंह सैनी(करौली), सूरजमल सैनी (ठेकेदार), बलदेव सैनी, शंकर तँवर, सुरेश सैनी,नवल किशोर सैनी, एडवोकेट पी.एन. सैनी, रोहित सैनी, किशोर टाक, सीपी सैन सहित अनेक पदाधिकारियों ने अपने विचार प्रकट किये।

फोर्ब्स इंडिया यंग अचीवर्स में चौथे स्थान पर जयपुर के रोमन सैनी

जयपुर। फोर्ब्स इंडिया ने 30 अंडर 30 लिस्ट जारी की है। इसमें चौथे स्थान पर ऑनलाइन एजुकेशन प्लेटफॉर्म अनएकेडमी के को–फाउंडर्स और जयपुर के रोमन सैनी व गौरव मुंजाल रहे हैं। रोमन ने 22 साल की उम्र में सिविल सेवा परीक्षा पास की थी। फिर आईएएस की नौकरी छोड़ उन्होंने गौरव के साथ मिलकर अनएकेडमी शुरू की। अभी अनएकेडमी पर 4,000 एजुकेटर्स ट्यूटोरियल वीडियो हैं। इन वीडियोज को सिर्फ दिसंबर, 2017 में 2 करोड़ से ज्यादा बार इन्हें देखा गया। फोर्ब्स इंडिया की इस लिस्ट में सबसे ज्यादा 4 नाम खेल जगत से हैं। 3 नाम इंटरटेनमेंट क्षेत्र से हैं। खास नामों में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर, अभिनेता विकी कौशल, क्रिकेटर बुमराह, क्रिकेटर हरमनप्रीत कौर और शूटर हिना सिद्धू शामिल हैं। इस साल 10 महिलाएं लिस्ट में हैं।

एक स्थान पर 2 महिलाओं– जाह्नवी जोशी और नुपुरा किर्लोस्कर के नाम हैं। दूसरी बार लिस्ट में 10 या उससे ज्यादा महिलाओं के नाम आए हैं। इससे पहले 2015 में सबसे ज्यादा 11 पोजीशन पर 14 महिलाओं के नाम थे। इस साल इस लिस्ट के लिए 15 कैटेगरी में 300 से भी ज्यादा आवेदन आए। फोर्ब्स एडीटर्स की टीम ने फाइनल–30 को चुना। उन्हीं लोगों को लिस्ट में चुना गया है, जिनकी उम्र 31 दिसंबर 2017 तक 30 साल के अंदर है।

दूसरी बार लिस्ट में 10 या उससे ज्यादा महिलाओं के नाम आए हैं। इससे पहले 2015 में सबसे ज्यादा 11 पोजीशन पर 14 महिलाओं के नाम थे। इस साल इस लिस्ट के लिए 15 कैटेगरी में 300 से भी ज्यादा आवेदन आए। फोर्ब्स एडीटर्स की टीम ने फाइनल–30 को चुना। उन्हीं लोगों को लिस्ट में चुना गया है, जिनकी उम्र 31 दिसंबर 2017 तक 30 साल के अंदर है।

12 स्थानों पर एक से ज्यादा लोगों के नामय 4 स्पोर्ट्स से, 3 इंटरटेनमेंट से रू लिस्ट के 30 में से 12 स्थान ऐसे रहे, जिन पर एक से ज्यादा लोगों के नाम रहे।4 नाम खेल जगत से– बुमराह, हरमनप्रीत, हिना सिद्धू और सवित पुनिया। 3 इंटरटेनमेंट से– विकी कौशल, भूमि और मिथिला पालकर। एक सिंगर– जुबिन। 9 स्थानों पर 10 महिलाओं के नाम। एक स्थान पर 2 महिलाओं के नाम। टेक्नोलॉजी, सोशल मीडिया–कम्युनिकेशन, इंटरप्रेन्योरशिप, हेल्थ केयर, फूड–हॉस्पिटलिटी, फाइनेंस, फैशन, ई–कॉमर्स औ डिजाइनिंग सेक्टर से 2–2 नाम।

माली सैनी संदेश परिवार रौमन सैनी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता है।

90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़कर जीत हासिल करेंगे - राजकुमार सैनी

3 फरवरी। करनाल मे आयोजित लोकतंत्र सुरक्षा मंच के प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में भिवानी व लोहारू टीम के पदाधिकारियों को संगठन मजबूत बनाने के लिए दिशा निर्देश देते हुए लोकतंत्र सुरक्षा मंच महिला प्रदेश अध्यक्षा अमन तंवर राघव ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए हल्का ,ब्लाक ,ग्रामीण व बूथ स्तर पर कमेटियो पर कमेटियो का गठन करना होगा। महिला प्रदेश अध्यक्षा ने कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन प्रदेश के जिला संयोजको ,हल्का संयोजको ,प्रदेश ,राष्ट्रीय व महिला प्रकोष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि सांसद सैनी द्वारा जनता के हितों के लिए उठाए गए पाँचों मुद्दों को जन जन तक पहुंचाना होगा और अधिक से अधिक लोगों को सांसद सैनी की मुहिम के साथ जोड़ना होगा।

इस अवसर पर महिला प्रदेश अध्यक्षा ने प्रदेश कार्यकर्ता सम्मेलन में भिवानी जिले से पंहुचे कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में जब मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद राजकुमार सैनी पंहुचे तो सांसद ने सीधे मंच पर जाने की अपेक्षा कार्यकर्ताओं के बीच जाना उचित समझा और जैसे सांसद कार्यकर्ताओं के बीच पंहुचे तो कार्यकर्ताओं में जोश आ गया। कार्यकर्ताओं सांसद सैनी राजकुमार सैनी जिन्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए वही सांसद सैनी के साथ कार्यक्रम में पंहुची महिला प्रदेश अध्यक्षा अमन तंवर राघव का भी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया वही महिला प्रदेश अध्यक्षा के समर्थकों ने सांसद राजकुमार सैनी जिन्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए । इस अवसर पर महिला प्रदेश अध्यक्षा के साथ भिवानी जिला अध्यक्ष प्रवीण राजपूत ,वरिष्ठ नेता बबिन्द्र शेखावत लोहारू ,राम सिंह कटारिया , एस सी सैल युवा प्रदेश अध्यक्ष धर्मबीर डाबला ,विजय गुराया,सुभाष सैनी, नरेन्द्र स्वामी सहित अन्य मौजूद रहे।

टी-पार्टी के ज़रिए पूर्व मुख्यमंत्री का शक्ति प्रदर्शन

गहलोत का विरोधियों को संदेश-प्रदेश कांग्रेस में उनकी पकड़ कमजोर नहीं हुई

जयपुर। पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटील के सम्मान में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने आवास पर गुरूवार को ब्रेकफास्ट पार्टी रखकर शक्ति प्रदर्शन किया। पार्टी में लगभग दो घंटे तक कांग्रेस के दिग्गज नेताओं का जमावड़ा रहा। गहलोत ने विरोधियों को मैसेज देने का प्रयास किया कि बेशक वह दिल्ली में बैठने लगे हैं, लेकिन राजस्थान में आज भी वे पार्टी में मजबूती से पैर जमाए हुए हैं।

कांग्रेस के भीतर या बाहर उनकी पकड कमजोर नहीं हुई है। पार्टी में कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट दिल्ली में होने और नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी बीमार होने के कारण नहीं पहुंच पाए। इसके अलावा पूर्व राज्यपाल डॉ. कमला बेनीवाल, पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाड़िया, पूर्व विधानसभा स्पीकर दीपेंद्र सिंह शेखावत, पूर्व मंत्री जितेंद्रसिंह के अलावा अन्य पूर्व मंत्री, लगभग सभी विधायक व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के लगभग सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सैनी समाज के बढ़ते कदम

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जनपद सहारनपुर में सैनी समाज ने अपने को स्थापित करते हुए यह साबित कर दिया है कि वह किसी पहचान के मोहताज नहीं है। अन्य पिछड़ा वर्ग के अन्तर्गत आने वाली सनातन धर्म की इस पौराणिक जाति का इतिहास नया नहीं है। सतयुग, त्रेता, द्वापर और अब कलयुग में इस समाज की अपनी अलग पहचान है। गरीब लोगों के बीच शिक्षा का दीपक जलाने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले इसी समाज के एक अंग रहे है।

पृथ्वी पर माँ गंगा को लाने वाले महाराज भगीरथ इसी समाज से है बौद्ध धर्म की दीक्षा से संसार को रोशन करने वाले महात्मा बुद्ध का सम्बंध भी इसी समाज से रहा है। लेकिन समय के साथ बदलते परिवेश में भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण का ये समाज काफी पिछड़ गया था जिससे इस समाज के लोग विभिन्न क्षेत्रों में भी काफी पीछे रह गये थे। लेकिन एक बार फिर भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में सैनी समाज ने अपना परचम लहराया है।

अगर बात उत्तर प्रदेश के जनपद सहारनपुर के एक छोटे से भू-भाग की करें तो चाहे राजनीतिक क्षेत्र हो या शिक्षा का क्षेत्र या फिर आर्थिक क्षेत्र इन सभी में सैनी समाज के लोगों ने अपना लोहा मनवाया है। जनपद में सैनी समाज की एक बड़ी आबादी निवास करती है। जिले की प्रत्येक विधान सभा में सैनी समाज किसी भी समीकरण को बनाने या बिगाडने की स्थिति में नजर आता है। यही कारण है कि सभी राजनेतिक दल सैनी समाज को समान प्रतिनिधित्व देने को प्रतिबद्ध नजर आते है। बेहट विधान सभा से कांग्रेस पार्टी स जहां नरेश सैनी विधायक है वहीं पूर्व में बसपा से विधायक व केबीनेट मंत्री डॉ. धर्मसिंह सैनी आज भाजपा की सरकार में भी मंत्री पद पर आसीन है और उन्होंने अपने समाज को साथ लेकर हमेशा विरोधियों को पटखनी दी है। वहीं जिले की राजनीति में सक्रिय रहे साहब सिंह सैनी भी संघर्ष कर पूर्व सरकार में एफ.एल.सी. बन सरकार में मंत्री पद पर रह चुके है, वहीं लोक सभा का चुनाव लड़ चुके जसवन्त सैनी भी आज प्रदेश भाजपा संगठन में एक अहम स्थान रखते है और भी कई ऐसे जन प्रतिनिधि राजनीति में अपने आप को साबित कर चुके है और सैकड़ों से ज्यादा जनप्रतिनिधि आज अपने ही समाज नहीं बल्कि अन्य समाजों का प्रतिनिधित्व करते आगे बढ़ रहे है।

शिक्षा जगत में सैनी समाज का कोई सानी नहीं है। इस क्षेत्र में सैनी समाज का रूतबा शिक्षा से ही कायम रहा है। लोगों को अच्छी शिक्षा देने वाले योग्य शिक्षकों की एक बड़ी संख्या इसी समाज ने दी है साथ ही इस समाज की आने वाली पीढ़ी शिक्षा के क्षेत्र में एक नये आयाम स्थापित कर रही है। आर्थिक रूप से कमजोर रहा ये समाज आज किसी भी रूप से कमजोर नहीं है बल्कि हर क्षेत्र में सीना ताने खड़ा है आज समाज की बहुत सी प्रतिभाये है जिन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में अपने आपको साबित किया है। वहीं पूर्व में उत्तर प्रदेश का हिस्सा रहे और अब उत्तराखण्ड के हरिद्वार जिले की बात करें तो सैनी समाज वहां भी किसी भी रूप में कमजोर नजर नहीं आता है। एक समय होता था जब यहां से प्रतिनिधि करने सैनी समाज के स्तम्भ के रूप में शिक्षा के क्षेत्र से आये रामसिंह सैनी विधायक बन उत्तर प्रदेश सरकार में गृह मंत्री तथा डॉ. पृथ्वीसिंह विकसित प्रदेश में सिंचाई मंत्री रहे है उत्तराखण्ड बनने के बाद जनपद हरिद्वार की जनसंख्या में दूसरी सबसे बड़ी जाति के रूप में सैनी समाज होने के बाद भी अपना विधायक नहीं बना पाया जिसका कारण आपसी मतभेद कम बल्कि दूसरे लोगों की कूटनीति का शिकार ज्यादा कहा जा सकता है बावजूद इसके सभी सरकारों में सैनी समाज के कई प्रतिष्ठित लोगों को दायित्व देकर राज्य मंत्री स्तर के पदों से नवाजा गया जिसका मुख्य कारण इस समाज का शिक्षित होना है।

प्रत्येक समाज के लिये आइने के रूप में शिक्षित होने का संदेश देने वाले इस समाज का गौरवमयी इतिहास रहा है ये वहीं समाज है जिसके पूर्वज चक्रवर्ती सम्राट रहे है जिन्होंने एक छत्र पूरी दुनिया पर राज किया है। इसी समाज के अंग माली सैनी, शाक्य, मौर्य कुशवाहा, काम्बोज सभी की गौरवमयी गाथाए इतिहास अपने आप में समेटे हुए है जिनके पन्ने खोलने पर स्वतः ही सामने आ जाती है। इस समाज के बढते कदम उन सभी लोगों के लिये एक सुखद संदेश है जो आज भी शिक्षा व चिकित्सा के क्षेत्र में पिछडे हुए है। सैनी समाज आज उन्हें प्रेरणा देने का कार्य कर रहा है।

- एडवोकेट संजय सैनी की कलम से

हम 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़कर जीत हासिल करेंगे : सांसद राजकुमार सैनी

करनाल, 3 फरवरी (सरोए) भारतीय जनता पार्टी के कुरूक्षेत्र लोकसभा सांसद राजकुमार सैनी ने कहा कि जल्द ही नई पार्टी का गठन कर प्रदेश की सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़कर जीत हासिल करेंगे। यह विचार लोकतंत्र सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कुंजपुरा रोड पर पैरिस प्लाजा में प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहे।

कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यकर्ताओं की राय जानने के लिए बुलाया गया है ताकि आगामी फैसला लिया जा सके। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्रसिंह हुड्डा किसान व दलित सम्मेलन कर अपनी राजनीति चमकाने का प्रयास कर रहे हैं। मनरेगा के तहत किसानों व मजदूरों को एक साथ जोड़ा जाए ताकि दोनों वर्गों को इसका लाभ मिले और एक परिवार एक रोजगार नीति को लागू किया जाए। सांसद सैनी ने राज्यसभा के मुद्दे पर कहा कि इस नकली सदन के कारण अनेक फैसले रोक दिए जाते हैं और इस प्रजातंत्र को बहाली के लिए राज्यसभा को समाप्त कर देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर प्रदेश की जनता ने 2019 में उनको मौका दिया तो व्यवस्था को बदलने का काम करेंगे। इस अवसर पर लोकतंत्र सुरक्षा मंच महिला प्रदेशाध्यक्ष अमन तंवर राघव, जिलाध्यक्ष मनजीत पांचाल, लोकसभा प्रभारी विरेंद्र शर्मा, रामपाल रोडू, राम कंवर वाल्मिकी, नरेंद्र राणा ददलाना, पंकज चौधरी, कुलवीरसिंह, रामकुमार राणा, एन.डी.गुप्ता, सुरेंद्र रोहिल्ला, मीनाक्षी राणा, जिलेसिंह पाल, कमलेश पांचाल, रत्न लाल जांगडा, धर्मवीर डाबला, प्रवीण राजपूत, संजय ज्ञान व आशु विशनगढ़ सहित अन्य मौजूद रहे।

माली समाज आरक्षण का मुद्दा अब मध्य प्रदेश राजनीति में

इंदौर (सिटी ब्लास्ट)। महात्मा ज्योति बा फुले से जुड़ी माली समाज की संस्था ने भी अब 7 माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर समाज के हित में राजनीतिक फायदा मांग के रूप में शुरू किया है। प्रदेश अध्यक्ष नितेश राजोरिया, रामचन्दर सैनी और हुकुमचंद जादम ने बताया कि माली समाज प्रदेश भर में 25 लाख से अधिक है और फिर भी भाजपा सरकार ने माली समाज को केवल झाडु–पोछे के रूप में समझा है। न आरक्षण के रूप में ठीक से लाभ समाज को मिल रहा है, समाज में अभी तक एक भी आईएएस और आईपीएस नहीं है। विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस की ओर से 10–10 टिकिट प्रदेश में मांगे है और शासकीय नौकरियों में अलग से आरक्षण की सुविधा मिले। प्रादेशिक संस्था का कहना है कि जो पार्टी टिकिट देगी माली समाज उसी के साथ रहेगा। समाज के विधायक बनेंगे तो समाज का फायदा होगा नहीं तो 10 लाख युवा अभी भी बेरोजगार होकर भटक रहे हैं और फुटपाथ पर सब्जी व फूल मालाए बेचकर जैसे तैसे अपना जीवन यापन कर रहे है। जबकि कांग्रेस पार्टी ने अभी तक रामजी महाजन और लिखीराम कावरे को राज्य मंत्री बनाया और कांग्रेस ने ही पुष्पलता कावडे, हिना कावडे को विधायक बनाया। भाजपा ने केवल बाबूलाल महाजन को ही टिकिट दिया। प्रदेश पदाधिकारियों ने साफ कहा है कि भाजपा माली समाजजनों को केवल मुर्ख बना रही है। संयुक्त माली समाज में फूल माली, फुलेरिया माली, मेवाड़ा माली, सगरवंशी माली, संत सावता मली, गुजराती रामी माली, मरार माली, क्षत्रिय मारवाड़ी माली, नाभावंशी मालाकार माली, सैनी समाज सहित 25 लाख समाजजन निवास करते हैं। प्रदेश के नेताओं ने खासतौर से महू, धार, बड़नगर, बुरहानपुर, उज्जैन, जबलपुर, श्योपुर, राधवगढ़ से भाजपा और कांग्रेस से विधायक टिकिट मांगा है। दोनों ही पार्टी ने सांसद का टिकिट तक समाजजनों को नहीं दिया और अब तो यह हालत हो गई है कि विधायक का टिकिट भी माली समाजजनों को नहीं मिल रहा है। इसके लिए गोलमेज सम्मेलन का आयोजन भी माली समाज करेगा और राजनीतिक मुद्दे पर खुलकर चर्चा समर्थन को लेकर होगी।

राजनीतिक जागृति के अभाव में समाज के लोग प्रत्येक क्षेत्रों में पिछड़े : नवनीत

बाबैन, 19 फरवरी (अजय सैनी) : सैनी समाज सहित प्रदेश के सभी पिछड़ा वर्गों के लोगों में राजनैतिक चेतना जागृत करने के लिए आल इंडिया युवा सैनी सेवा समाज के प्रदेशाध्यक्ष नवनीत सैनी ने अपनी टीम के साथ क्षेत्र के दर्जनों गांवों का दौरा किया। बाद में राजीव गुढ़ी के कार्यालय बाबैन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राजनीतिक तौर पर जागृत न होने के कारण सैनी समाज सहित प्रदेश के अन्य सभी पिछड़ा वर्गों के लोग प्रत्येक क्षेत्र में पिछड़ कर रह गए है। उन्होंने कहा कि कोई भी समाज तब तक किसी भी क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ सकता है जब तक कि वह राजनीतिक तौर पर पूरी तरह से जागृत और मजबूत नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि आज सैनी समाज के लोगों सहित प्रदेश के अन्य सभी पिछड़ा वर्ग के लोगों में राजनीतिक चेतना जागृत करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य को लेकर आल इंडिया युवा सैनी सेवा समाज खंड स्तर पर प्रदेश में महात्मा ज्योतिबा फूले जागृत सम्मेलनों का आयोजन करेगा ताकि प्रदेश के पिछड़ा वर्गों के लोगों को इसके महत्व का पता चल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सैनी समाज सहित अन्य पिछडा वर्ग के लोगों में राजनीतिक चेतना जागृत करने के अलावा उनकी देश एवं प्रदेश की राजनीति में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चला अधिक से अधिक युवाओं को इस अभियान से जोड़ा जाएगा। जिसके सार्थक परिणाम जल्दी ही लोगों के सामने आ सके। उन्होंने पिछड़ा वर्ग के लोगों को आह्वान किया कि वे इस अभियान में अपना रचनात्मक सहयोग करे। इस अवसर पर आल इंडिया युवा सैनी समाज के प्रदेश महासचिव राजीव गुढ़ी, चतरसिंह गंदापुरा, राजन गनगौरी, प्रदीप गणगौरी, विकास माजरा के अलावा सैनी समाज के अनेक लोग उपस्थित रहें।

रंगोत्सव होली त्यौहार पर माली समाज की 625 वर्ष पुरानी परम्परा आज भी कायम है

मण्डोर की रावजी की गैर अनुठी एवं ऐतिहासिक पर्व

वैदिक काल से भारत में लोक मेला और लौक गीतों का अपना महत्वपूर्ण इतिहास है। हमारे देश के विभिन्न हिस्सों और अलग–अलग प्रान्तों में ये पर्व किसी माला के मोतियों समान पिरोये हुवे है इन लोक पर्वो के बिना भारतीय संस्कृति की परिभाषा परिपूर्ण नहीं होती है, अलग–अलग क्षेत्र, धर्म, जाति, बोली से सजे इस गुलशन में लोक संस्कृति के पर्व फूल की भांति खिले है जिन्हें समेटे तो एक सुन्दर गुलदस्ता बन जाता है जिसकी गमक पूरे संसार में फैलकर देश की कीर्ति को बढावा देती हैं।

देश का प्रमुख त्यौहार होली को भी राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेशवासियों विचित्र, मनोरंजक एवं पारम्परिक तीरकों से मनाते है।

इसी क्रम में मारवाड की प्राचीन राजधानी मण्डोर जो कि जोधपुर शहर से तरकीबन 9 कि.मी. दूर उत्तर पश्चिम की सुदुर भौगीशैल पर्वतमाला की पहाडियों में स्थित है यहां की होली अपने आप में अनुठी, पारमपरिक और ऐतिहासिक है, होली से तकरीबन एक महिने पहले माघी पूर्णिमा की रात्रि के समय मण्डोर गांव की होली के चौक में मण्डोर निवासियों द्वारा होलिका दहन हेतु मुर्हत अनुसार होलिका (खेजडी वृक्ष की शाखा (डांडा) रीतिरिवाज से स्थापित की जाती है। इस होलिका का होली दहन तक पूर्णरूप से ध्यान रखा जाता है तथा इसको सजाने के लिये गोबर के बडबोले (कण्डे) बनाने का काम पुरे माह तक क्षेत्रवासी करते रहते है।

डाका पांचम (पंचम)

इसके बाद अगले चरण में फाल्गुन सुदी पंचम तिथी का मण्डोर गांव के सभी बेरों (बस्तियों) के निवासी ढोल एवं चंग अपने–अपने घरों से निकालते है तथा इस पर्व पर प्रथम बार इन साजों पर थाप देते है फिर साजों को लेकर अपनी–अपनी गैर निकालते है, जिसमें बुजुर्ग, युवा और बच्चे उत्साह से, रात्रि के समय गाते बजाते है। तथा क्षेत्र में घर में हुई गमी (मौते) को दूर करने के लिये आसपास की बस्तीयों में शोक तुडवाने का काम करते है, ताकि गमगीन परिवार भी इस पर्व को खुशी पूर्व माना सकें। इस विशेष तिथि को डाका पांचम कहा जाता है इसके बाद लगातार होली का दहन तक हर रात्रि को होली के गीत गाते एवं नाचते है, इसको एक तरह से अभस सत्र भी कहा जा सकता है।

होलिका दहन

फाल्गुन सुदी पुर्णिमा की रात जब होलिका दहन के समय जब सारे जहां की होलीकाओं का दहन हो चुका होता है, तब मण्डोरवासी परम्परागत रूप से अपनी–अपनी बेरा (बस्तियों) की गेर लेकर होलीका दहन हेतु खेतों से (खेजडी वृक्ष की शाखा) डांडा लेने अर्धरात्रि को गाते बजाते हुए निकलते है और गेरें जाने के पश्चात इस अवसर पर हर बस्ती के होली चौक में महिलायें लूर (फाल्गुनी गीत) गाती एवं झुमती है मण्डोर

क्षेत्रवासी इस पुरी रात को बिना सोये हालिका दहन का पर्व मनाते है पुरी रात बुजर्गो के सानिध्य में युवा और बच्चे गीत गाते है एवं पैरों में पायडे (घूघंरू) बांध कर नाचते है। और फिर तडके चार बजे सभी मिलकर होलिका दहन करते है। इ स स` पहले तकरीबन एक महीने पहले स्थापित मण्डोर गांव की होलिका (डांडा) को अर्द्धरात्रि (मुहर्त के अनुसार) दहन किया जाता है, जिसमें पूरे मण्डोर गांव के निवासी उत्साहपूर्वक भाग लेते है।

राव महोत्सव

सदियों पूर्व प्रारम्भ हुआ रावजी का मेला अपने आप में अनूठा, परम्परागत, कलात्मक एवं मण्डोर की सांस्कृतिक पेशकश है, जिसमें हजारों की संख्या में मण्डोरवासी उत्साह पूर्वक भाग लेते है। ये कार्यक्रम मण्डोर की होली का प्रमुख आकर्षण हैं

इस पर्व पर मण्डोर गांव का ऐतिहासिक क्षण तब आता है जब धुलंडी (रामाशामा) की शाम जब सूर्य अपना आंचल समेटकर अस्ताचल की ओर बढता है तब क्षेत्र की सभी बस्तियों की गेरे पारम्परिक परिधानों (धोती, साफा और अंगरखा) से सजधज कर फाल्गुनी गान, ढोल, चंग और घूघंरूओं की झंकार से गेरिये अपने हाथों में विभिन्न प्रकार के कृषि औजार, लाठियां और बल्लम लेकर घेरदार नृत्य से अद्वभुत एवं उत्तेजक दृश्य प्रस्तुत करते है।

मारवाड़ के पूर्व इतिहास में बहीभाट की बहियों में इस घटनाक्रम को तथ्यात्मक रूप से दर्ज किया हुआ है। जिसके अनुसार तत्कालीन समय में मारवाड़ की राजधानी मण्डोर पर तुर्को (मुगलो) नें मारवाड़ के शासक को खडेड़कर कब्जा कर लिया था, इस पर राव चूड़ा एवम् राव हेमा (माली) के मध्य हुई गुप्त मंत्रणा के अनुसार विक्रम सम्वत् 1449 पोष बदी दशम के दिन राव हेमा ने कृषकों के वेश में मण्डोर आकर लगान देने हेतु तत्कालीन राजस्व अधिकारी जो कि मण्डोर में मुगलो की प्रतिनिधि नियुक्त था, को सन्देश भिजवाया कि एक साथ 100–150 बेलगाड़िया लगान अदा करने हेतु आई है इस पर ऐबक सैनिकों सहित तुरन्त वसूली के लिये पहुंचा, सांय की गोधुली बेला के समय राव हेमा में बेलगाड़ियों में छिपे कृषकों के भेष में सेनिकों के साथ हमला बोल दिया भारी मार–काट के बाद ऐबक जान बचाकर भाग गया।

तब राव हेमा जो कि बालेसर के प्रधान थे, ऐबक हो हटाने के पश्चात राव चूड़ा को मण्डोर में अमल कराने पर राव चूडा ने अपने उपरोक्त इकरार के माफिक मण्डोर की पूर्ण जमीन राव हेमा को माफी भी दे दी थी। इस घटना का आज भी राव भाटो की बहियों में अत्यन्त सुन्दर दोहे के रूप में अंकित है। जो इस प्रकार है –

हेमा घोड़ो जोत, गुड़ बेल दान दिनो,
तुरक वी तोड़ हिन्दवाणी राव ने तिलक दी नै
गढ़ पलट (फतह) किना,
गढ मण्डोर के खेड़े राव चुड़ा के वार।

इस ऐतिहासिक घटनाक्रम के पश्चात् रावचूडा ने राव हेमा को एक दिन का राव (राजा) बनने का अधिकार दिया। उसके बाद से यह राव उत्सव परम्परागत रूप से पिछले 625 वर्षो से निरन्तर हर्षोउल्लास से मनाया जा रहा है।

इस परम्परा को कालान्तर में फूलबाग बेरे के गहलोत निभाया करते थे, तत्पश्चात किन्ही कारणवश शेष्ज्ञ हरकावतों के सात बेरो के चौधरियों ने अपनी सर्वसम्मति से खोखरिया बेरा के गहलोत (हरकावतों) को राव राजा बनने का अधिकर दे दिया, जो कि आज तक निरन्तर जारी हैं

इस उत्सव के प्रारम्भ में मंडावता बेरा बस्ती की गेर मन्दिर में पूजा अर्चना करके रावजी की बस्ती खोखरिया बेरा चौक पर पहूंचती है, जहां बस्तीवासी इनकी प्रतिक्षा करते है उसके पश्चात दोनों गेरे साथ–साथ मण्डोर गांव के परम्परागत रावजी मार्ग से चलते हुए बडा बेरा स्थित (संतोकजी का बेरा) रावजी के चबुतरे पर पहुंचती है। जहां रावराजा का चयन गांव के चौधरी परिवार के वंशजों द्वारा रंग का छापा लगाकर किया जाता है। वर्तमान में तिलजी के पुत्र संतोषसिह गहलोत एवं धनजी के पुत्र हेमसिंह गहलोत साल दर साल बारी–बारी से रावजी को छापा लगाकर उनका चयन करते है।

रावजी के चयन की मुख्य योग्यता विवाहित, अच्छा नाचने वाला, बलिष्ठ और मजबूत कद काठी के नवयुवक का करते है। यह मान्यता है कि राव के अच्छे नृतय प्रदर्शन से जमाना (फसल) अच्छा या बुरा होगा। इसका निर्धारण होता है।

छापा लगाने के पश्चात रावजी को गुलाबी रंग से सराबोर कर फूलपत्तियों से सजाया जाता है और परम्परानुसार पंचामृत पिलाकर हाथ में मुगदर थमा दिया जाता है, रावजी की गेर मण्डावता बेरा वालों के संरक्षण में नाचते–गाते हुए प्रस्थान करती है। इसके पीछे क्रमशः गोपी बेरा, बेडा बेरा, आमली बेरा, पदाला बेरा की गेरे जुड जाती हैं रावजी की की गेर जब भलावता बेरा पहूंचती है तब रावजी के भाईपा के बस्तीवासी इनका राव गली में जबरदस्त स्वागत कर माहौल को भावविभोर कर देते है। मण्डोर चौराहे पर पहुँचते–पहुँचते रावजी के आगे सर्वप्रथम मण्डोर बस्ती की गैर, फूलबाग,

नागौरी बेरा और भीयाली बेरा की गेरे इनकी प्रतिक्षा करती है। ऐतिहासिक मण्डोर बगीचे में प्रवेश करते ही समस्त गेरिये और आमजन फतेह–फतेह (विजयघोष) कर गाने और नाचने लग जाते है, जिससे एक अद्वभुत और भव्य छाटा उभरती है। नाचने वाले देखने वाले माहौल को उत्तेजना की परम स्थिति तक पहुंचा देते है। इस अवसर पर क्षेत्र के तीन पीढी के लोग अर्थात दादा, बेटा और पोता श्लील और अश्लील गायन साथ–साथ करते है।

आगे बढते हुए रावजी काला गोरा भेरूजी मंदिर स्थित जनाना बाग, पहूंचते है तब हजारों लोगों की उपस्थिति में रावजी को कुण्ड तक सुरक्षित पहुंचाने का दुष्कर कार्य नागौरी बेरा की गेर करती है जब नाग गंगा के पवित्र पानी के कुण्ड में हर्षोउल्लास के साथ रावजी कूद पड़ते है। इसके साथ ही दूसरी गेरों के गेरियें भी कुण्ड में कुद पड़ते हैं तत्पश्चात लोहे की डोलचिया से एक दूसरे पर पानी का बौछारों से वार करके

एक दूसरे की पीठ लाल कर देते है तथा जोश में फतेह गान करते है, इस दौरान नाग गंगा कुण्ड के पवित्र जन्म के छीटे अपने आप लगवाने की होड़ मच जाती है और ऐसी मान्यता है कि पवित्र जल के लगाने से साल भर बीमार नहीं होते है। इसके पश्चात् एकत्रित लोग एक दूसरे को होली की शुभकामनाऐं देते है और धीमे और थके कदमों से अपने–अपने घरों की ओर लौटने लग जाते है। तब तक अंधेरा घिरने लग जाता है।

देश की आजादी के पूर्व तक इस अवसर पर तत्कालीन मारवाड रियासत के महाराजा एवं उनकी रानियां मय दासियों के रावजी की गेर के पर्व को देखने के लिए स्वयं उपस्थित होते थे तथा मण्डोर रेल्वे स्टेशन मार्ग स्थित हवाला कोटडा भवन के आगे दरबार लगाकर गुड एवं ताजे गेहूं की घूघरियां प्रत्येक गेरियो को प्रदान करते थे तथा गांव के चौधरियों को सम्मानित करते थे।

वर्तमान समय में मण्डोर गांव के चौधरी घराने के वंशज इस परम्परा को निरन्तर निभाते आ रहे है। राव महोत्सव की मुख्य विशेषता ये है कि इसके प्रारम्भिक काल से समाज के पूर्वजों द्वारा बनाये नियमों से ही राव राजाजी की गेर निकाली जाती है कोई भी सामाजिक संस्था या संगठन इसे अपने तरीके से चला या मना नही पाया है समाज के लोग अपने आप ही स्वस्फूर्त एवं अनुशासित तरीके से जुटते और मनाते है।

डंडिया गैर

धुलंडी के पश्चात आमतौर पर होली का पर्व समाप्त मान लिया जाता है लेकिन मण्डोर क्षेत्र में इसके बार डंडिया गेर का दौर चल पडता है क्षेत्र की तकरीबन सभी बस्तियों (बेरो) में बारी–बारी से रात्रिकाल से घेरा बनाकर गेरिये भांति–भांति के स्वांग रचकर नृत्य करते है, घेरे के बीच में ढोलवादन के साथ ताल मिलाकर जब डंडिये टकराते है तो देखने वालों के शरीर में रोमांच की एक लहर दौड़ जाती है उषाकाल के समय होली के पुराने एवं पारम्परिक लाल केसा, धूंसा और मीठों खरबुजा इत्यादि गीतों के गायन से माहौल खुशनुमा और भावभीना बन जाता है।

भोर के समय गेर समाप्ति के पश्चात सभी बस्तीवासी अपनी–अपनी गेर लेकर शीतला माता मंदिर अष्ठमी से लेकर चैत्री अमावस्या तक दर्शनार्थ जाती है। ये सारे कार्यक्रम तकरीबन 1 से 1.5 माह तक चलते है जिससे यह स्पष्टतया सिद्ध होता है कि मण्डोर की होली आज भी अनूठी और पारम्परिक हैं जिसे मण्डोरवासी आधुनिक काल में भी अपनी परम्पराओं को हृदय में संझोये और निभाये जा रहे है।

- संकलनकर्ता -

विनोद गहलोत
भलावता बेरा, मण्डोर
जोधपुर - 9460685943

हरीसिंह आर्य
अम्बाला बेरा, मण्डोर
जोधपुर - 9413957390

स्व. भंवरलाल सोलंकी की स्मृति में आयोजित चिकित्सा शिविर, 809 मरीजों का जांचा स्वास्थ्य

डीडवाना। पीडब्ल्यूडी मंत्री यूनुस खान ने कहा कि पूर्व पार्षद भंवरलाल सोलंकी आज हमारे बीच नहीं है। मगर उनकी यादें व पार्टी के प्रति समर्पित भाव से किया गया योगदान हमारे लिए प्रेरणा स्रोत है। व्यक्तित्व के धनी एवं मिलनसार व्यक्ति आज ही के दिन एक वर्ष पूर्व अचानक हम सब को छोड़कर चले गए थे। उनकी कमी तो सदैव रहेगी मगर उनके द्वारा किया गया कार्य सदैव याद रखा जाएगा।

भाजपा के पूर्व पार्षद एवं दिवंगत नेता भंवरलाल सोलंकी की स्मृति में रविवार को सैनी माली विकास संस्थान के तत्वावधान में विशाल निशुल्क जांच एवं चिकित्सा परामर्श शिविर एवं श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम के दौरान मंत्री यूनुस खान ने यह बात कही। खान ने कहा कि पार्टी व समाज हित के लिए सोलंकी ने हमेशा सकारात्मक भाव से कार्य किया है।

इस श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम के दौरान डीडवाना, मंगलपुरा, मौलासर, लाडनूं, नागौर सहित अनेक क्षेत्रों से बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने सोलंकी को श्रद्धांजलि दी। रविवार सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में ईसीजी, ब्लड शुगर, बीएमडी की निशुल्क जांच की गई। रामगोपाल तूनवाल ने बताया कि शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. कुष्मेंद्र पाराशर, जनरल फिजिशियन डॉ. नीलेश खंडेलवाल, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मोनिका झालानी, त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्चना राजपूत, डॉ. निशा अग्रवाल, ऑर्थो फिजियोथैरेपी विशेषज्ञ डॉ. सुगनसिंह चारण, मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव कूलवाल, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय मिश्रा ने सेवाएं दी।

इस शिविर में 809 रोगियों की जांच कर उन्हें परामर्श दिया गया। वहीं 397 रोगियों की विभिन्न जांचें निशुल्क की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष ग्यारसी देवी ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि नागौर सभापति कृपाराम सोलंकी, नाथूराम चौहान, चौनाराम, भागीरथ, बाबूलाल टाक, जयचंद सांखला रहे। श्रीचंद तूनवाल, जितेंद्रसिंह जोधा, डॉ. गजादान चारण, मांगीलाल भाटी, पंकज टाक ने भी संबोधित किया। कैलाश सोलंकी, बाबूलाल, जंवरी सोलंकी ने सभी का आभार जताया।

लिखमों जी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की बोलियों में समाज के सभी वर्गों ने लिया बढ़-चढ़ कर भाग

सिरोही। माली समाज सेवा संस्थान की ओर से आगामी अप्रैल माह में होने वाली संत शिरोमणि लिखमीदास महाराज मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा को लेकर शहर के माली समाज छात्रावास में चढ़ावा महोत्सव का आयोजन किया गया। चार दिन तक चले महोत्सव का मंगलवार को समापन किया गया। इस दौरान समाज के लोगों ने विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के लिए चढ़ावे बोले। कार्यक्रम संस्था अध्यक्ष प्रतापराम राठौड़ एवं मंदिर कमेटी अध्यक्ष चतराराम माली की मौजूदगी में शुरू हुआ। इस मौके भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भजन कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां देकर माहौल भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में संत चेतनगिरी महाराज ने कहा कि गुरु सेवा सबसे बड़ा धर्म है। गुरु सेवा में दिया गया दान बहुत बड़े पुण्य के समान है। गुरुजी ने लिखमीदासजी युवा संगठन की सराहना करते हुए कहा किए हर बड़े काम में युवाओं की बड़ी भूमिका रहती है। उन्होंने युवाओं का आभार व्यक्त किया। इस मौके कोषाध्यक्ष प्रभुराम माली, मंदिर कमेटी मंत्री हीरालाल माली, छगनलाल माली, छोगाराम माली, रघुनाथ माली, सभापति ताराराम माली, प्रकाश, कनाराम, नारायण, नारायण, देवाराम, अमृतलाल माली, ताराराम, दिनेश, भूबराम, खीमाराम, शंकरलाल, रमेश, हरीश परिहार, महेश परिहार, अर्जुन माली, भूबराम माली, मंछाराम, गोविंद माली, रूपाराम मौजूद थे तथा मंच संचालन नवरतन सोनी व छगनलाल माली ने किया।

कार्यक्रम में माली लिखमीदास युवा संगठन के कार्यकर्ता राजू, नैनाराम, हरीश, यतिंद्र, दिनेश, जसवंत, मदन, राजेंद्र, रमेश, किशन, भरत, देवेंद्र, धीरज, लक्ष्मण, अक्षय और सभी युवा सदस्यों ने सहयोग किया। लिखमीदास युवा संगठन व महिला मंडल के कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में जिम्मेदारी बखूबी संभाली।

संत श्री जयनारायण सांखला का हुआ निधन स्वामीजी ने किये अन्तिम दर्शन

- स्वामी कुशाल गिरी जी व देवीजी के परिवार (सांखला परिवार) ने दी स्व. संत जयनारायणजी सांखला की स्मृति में 60 लाख की जमीन पक्षी सेवा आश्रम हेतु भेंट
- अन्तिम यात्रा में 1 हजार से अधिक स्वजन एवं स्वामीजी के भक्त एवं शिष्यों ने लिया भाग।
- 1 हजार गरीबों को वस्त्र, गेंहु का आटा एवं 50 रुपये नगद वितरित कर, पेश की नई मिशाल।
- देवीजी करेंगी कथाओं के माध्यम से 1 करोड़ खर्च कर पक्षी सेवा आश्रम 'पक्षियों के स्वर्ग' एवं मन्दिर का निर्माण करेंगी

नागौर। विष्व स्तरीय गो चिकित्सालय के संस्थापक श्री श्री 1008 महामण्डलेष्वर स्वामी कुषालगिरीजी महाराज के पिताजी का 10 फरवरी, 2018 को स्वर्गवास हो गया। विष्व की एकमात्र 4 लाख का सहयोग देने वाली कथा वाचिका पूज्या देवी ममता 'देवीजी' के दादाजी स्व. श्री जयनारायण जी सांखला 25 वर्षो तक ऋषि–मूनि (वानप्रस्थ आश्रम) परम्परा का निर्वाह करते हुए, अपनी तपोस्थली (ठाकूर बाड़ी, नागौर) पर बिताये। दिनांक 10.2.18 को प्रातः 7:15 बजे स्व. जयनारायण जी सांखला स्वर्ग सिधार गये।

अन्तिम यात्रा को बैड–बाजे, मार्ग में पुष्प वर्षा के साथ 1 हजार से अधिक जनमानस मुक्तिधाम तक साथ गये। स्वामीजी अपने पिताश्री स्वर्गीय श्री जयनारायणजी सांखला को अन्तिम दर्षन अन्तिम प्रणाम करने ठाकुर बाड़ी, राठौड़ी कुआं नागौर पहुँचे। स्वामीजी लगभग 20 से 25 मिनट में धर्म–षास्त्रों एवं माली समाज के रिति–रिवाजों के अनुसार पिताश्री की आरती, अन्तिम दर्षन एवं अन्तिम प्रणाम कर ज्येश्ठ पुत्र के दायित्व का निर्वाह कर, पुनः पीड़ित एवं दुर्घटनाग्रस्त गोवंष की सेवा में उपस्थिति हो गये।

यात्रा में परिवार के समस्त सदस्य, रिष्तेदार, दुर–दूर से पधारे स्वामीजी के भक्त एवं षिश्यगण, माली समाज के प्रतिश्ठित नागरिक एवं जनप्रतिनिधी शामिल हुए। माली सैनी संदेश परिवार संतश्री के आकस्मिक निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

विष्व की सबसे छोटी आयु की कथा वाचिका देवी ममता देवीजी ने अपने पिताजी श्री श्री 1008 महामण्डलेष्वर स्वामी कुषालगिरीजी महाराज की प्रेरणा से दादाजी स्व. संत जयनारायण जी सांखला की तेरवें के अवसर पर सर्व समाज के सामने एक नई मिषाल कायम की। पूज्या देवीजी ने अपने भागवत सेवा प्रकल्प ट्रस्ट व मसाला उद्योग द्वारा स्व. दादाजी की स्मृति में उनके तेरहवें पर उनकी ही पक्षी सेवा आश्रम, राठौड़ी, कुआं, नागौर पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक 1 हजार से अधिक गरीबों को वस्त्र, 10 हजार किलो से अधिक गेंहु का आटा व 50 हजार से भी अधिक नगदी देकर गरीब बन्धुओं का आषीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान दिनभर विभिन्न कच्ची बस्तियों से गरीब महिलाओं, पुरुशो व बच्चो का बड़ी संख्या में तांता लगा रहा। 1 हजार से भी अधिक गरीबों के आने पर उनको खाली हाथ नहीं भेजा।

इस कड़ी में संत वृन्दो का भी आगमन हुआ। इस मौके पर भीमसिंहजी सांखला, दीपचन्दजी सांखला, मुरलीधरजी सांखला, श्यामजी, महेन्द्रसिंहजी सांखला, ओमप्रकाषजी भाटी, घनष्यामजी कच्छावा, पिन्दुजी कच्छावा, मांगीलालजी भाटी, जितेन्द्रजी कच्छावा, बजरंगजी कच्छावा, दौलतजी भाटी, राजेषजी गौड़, श्रवणजी विष्नोई, रामनिवासजी राड़, श्रवणजी सारण, रमेषजी विष्नोई, ताराचन्दजी रांकावत, दिनेष जी गौड़ सहित शहर के सैकड़ों गणमान्य नागरिक ने इस व्यवस्था में मदद कर सहयोग किया। इस दौरान एक दर्जन पूज्य संतवृद्धों के चरण कमलों की पूजा करके महन्त हरिनारायणजी महाराज, संत श्यामदासजी महाराज, संत सोहनदासजी महाराज, संत पूर्णानन्दजी महाराज, संत भूरदासजी महाराज, मनोहरदासजी महाराज, संत रामानुजाचार्यजी महाराज, संत महेषनाथजी महाराज, साध्वी प्रेम बाईसा, साध्वी अमृता बाईसा, साध्वी सीता बाईसा, साध्वी सुखी बाईसा, इत्यादि संतों को पुष्प हार पहनाकर व पुष्प वर्षा करके प्रत्येक संत को चादर व 3100 रूपये दक्षिणा देकर संत कृपा प्राप्त की।

देवीजी ने आमजन को यह संदेष दिया कि गरीब व्यक्तियों को सहयोग देकर एवं उनसे गले लगकर एक रूपता का परिचय दिया और कहा कि किसी भी गरीब के प्रति हीन भावना नही रखनी चाहिए ईष्वर के दरबार में सभी जीव एक सम्मान है उसी प्रकार हम भी एक समान सबके प्रति सहयोग की भावना रखनी चाहिए।

देवीजी ने अमीर परिवारों को यह संदेष दिया कि परिवार में किसी मृत्यु पष्चात् इस धरती पर सैकड़ों प्रकार की सेवाएं चल रही है जहां वास्तविक दृष्टि से अत्यन्त उन सेवा स्थलों पर उस अमीर परिवारों का आधा प्रतिषत ही पैसा सेवा कार्य में लग जाये तो उन जरूरतमंद व्यक्तियों अथवा जीवों को एक नया जीवनदान मिल जाता है, नर में ही नारायण बसते है तो दुसरी और प्राणी मात्र में परमात्मा का अंष है तो इस नाते साक्षात् परमात्मा की सेवा हो जाती है। देवीजी ने आगामी योजना बताते हुए कहा कि पक्षी सेवा आश्रम में बिमार पक्षियों की सेवा मनुष्यों की तरह शुरू हो गयी है और शीघ्र ही

संत जयनारायण जी सांखला का संक्षिप्त परिचय

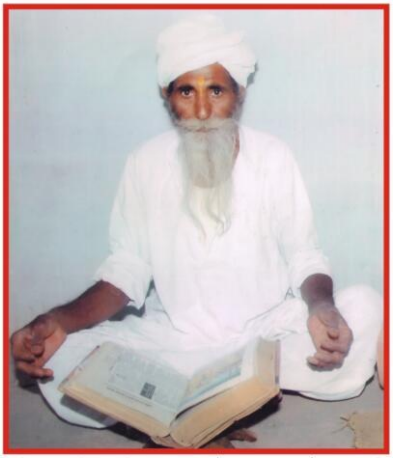

संत जयनारायण जी सांखला का जन्म ईस्वी सन् 1940 (विक्रम संवत् 1997) में सांखला (माली) साधारण किसान परिवार में हुआ, इनकी माता का नाम रामप्यारी व पिता किशोरसिंहजी था। यह 8 भाई बहनों में सबसे बड़े थे।

बचपन से ही कठोर मेहनत करने वाले थे इन्होने अनेक रोजगार के कार्य किये, जिसमें पत्थर घड़ाई में अनुभवी कारीगर की महारत हासिल की, यह उस जमाने में पत्थर की बतख, फुल व मछली इत्यादि कई प्रकार की कलाकृति बना देते थे, जो कि इनकी बनाई हुई कारीगरी की बहुत ही सुन्दर मछली इनके परिवार में आज भी सुरक्षित रखी हुई है।

इन्होने करीब 30 वर्षो तक नमकीन का व्यवसाय किया, इनके हाथ की बनी हुई नमकीन इतनी स्वादिष्ट थी कि पकोड़ी व कचोरी लोग राजस्थान से बाहर भी लेकर जाते थे।

इन्होने जीवन के अतिंम 25 वर्षो वानप्रस्थ आश्रम की भांति घर-बार छोड़कर ईश्वर भक्ति व अपनी साधना में लगाये, युवा अवस्था से ही इन्होने संतों की सेवा में अपना समय व्यतीत किया।

इन्होने नवधा भक्ति में आठवीं भक्ति संतोष धन का पालन करते हुए अपनी नमकीन की दुकान दोपहर 1 बजे तक ही नमकीन बेचकर संतोष रखते थे। पष्चात् सायं का समय संतों के आश्रम जाकर उनकी सेवा में लगाते थे।

इन्होने करीब 45 वर्षो घर एवं ठाकुरबाड़ी पर अखण्ड धुणे में प्रतिदिन आहुति देकर साधना की, रामचरितमानस कण्ठस्थ थी हर समय रामचरितमानस का पाठ किया करते थे। साधना व भक्ति में कोई बाधा न पहुँचाये इस हेतु परिवार व समाज के लोगों से दुर (एकान्त) में रहते थे। अपने पुत्र (स्वामीजी) को बाल्यकाल में अपने पास बैठाकर रामायण, गीता एवं हनुमान चालिसा इत्यादि धर्म ग्रन्थों का अभ्यास करवाया तथा संतों की सेवा में प्रतिदिन भेजते थे। किसी के भी जन्म–मृत्यु, शादी–विवाह एवं अन्य कार्यक्रमों में भाग नहीं लेते थे, केवल अपनी साधना में ही लगे रहते थे, भगवान भोलेनाथ की तरह गांजे की पक्की चिलम (नषा) पीते थे। भोलेनाथ की भाँति इनके सिर के बालों की जटायें, इतनी लम्बी थी कि जब जटाये खोलते तो जमीन को छुती थी।

संत कबीरजी, संत रैदासजी व संत लिखमीदासजी की भाँति स्वयं मेहनत की कमाई करते और भक्ति करते तथा परिवार से 1 रूपया नहीं मांगा, ट्यूबवैल के पानी द्वारा अंन्तिम समय तक अपना व ठाकुर जी (निजी मन्दिर) व पक्षियों का खर्चा चलाते थे। व्रत रखते थे, सात्विक भोजन करते थे, पक्षियों को प्रतिदिन अनाज (चूण) डालते इस हेतु अपनी तपोस्थली पर साधारण सा चूण स्थल भी बनाया हुआ था।

इन्होने अपनी मेहनत की कमाई से सन् 1992 में 6 प्लॉट खरीदे जो जीवन के 25 वर्षो वही पर ऋषि मुनि परम्परा की भांति वानप्रस्थ आश्रम की भांति बिताये। इन्होनें विष्व स्तरीय गो चिकित्सालय में एक बार ही सन् 2011 के समय यज्ञ कार्यक्रम के दौरान आये।

स्वामीजी के महामण्डलेष्वर पदवी आने के बाद पिता पुत्र के बीच एक बार ही मिलन हुआ जो सन् 2015 में अपने पुत्र स्वामीजी को बुलाकर अपनी तपोस्थली पर मन्दिर बनाने की इच्छा व्यक्त की, स्वामीजी ने कहा मन्दिर एवं आपके द्वारा हो रही पक्षी सेवा को सुन्दर व भव्य बनाते हैं तो यह जगह छोटी पड़ती हैं इस हेतु अपने पड़ौसी के दो प्लॉट बाजार कीमत से अधिक राषि देना चाहे तो भी उसने मना कर दिया इस कारण मन्दिर व पक्षी सेवा कार्य रूक गया तो दुबारा जीवन के अंतिम दिनों में अपनी पौत्री कथा वाचिका देवी ममता को बुलाकर अपने पुत्र (स्वामीजी) के पास अपनी अंतिम इच्छा अवगत करा दी, अब इनकी साधना व तपोस्थली (ठाकुर बाड़ी) पर सुन्दर पक्षी सेवा आश्रम का निर्माण तीव्र गति से शुरू हो गया हैं और भविष्य में इनके साधारण व छोटे से मन्दिर की जगह भव्य मन्दिर भी बनाया जायेगा। इन्होने बहुत ही सादगी से अपना जीवन जिया स्वर्गावास होने से 10 दिन पूर्व तक अपनी साईकिल से बाजार आकर ठाकुर जी महाराज हेतु पुष्पमाला व पुष्प हेतु प्रतिदिन जाते थे। 10 फरवरी, 2018 (फाल्गुन बदी दषमी, 2074) को प्रातःकाल 7:15 बजे इन्होने अपना शरीर त्याग दिया। इस प्रकार एक ज्योति महाज्योति में विलिन हो गई।

सामूहिक विवाह समिति द्वारा प्रदान किए उपहार एवं होली स्नेह मिलन भी मनाया

अजमेर। जिला माली सैनी सामूहिक विवाह समिति के तत्वाधान मे आज दिनांक 25 फरवरी रविवार ,को आयोजित उपहार वितरण, 25 वीं वर्षगाठ, गणेश प्रसादी , होली स्नेह मिलन समारोह , मनुहार गाडर्न , नसीराबाद रोड , अजमेर पर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में सभी 30 प्रत्येक जोड़े को जो कि 13वॉ सामूहिक विवाह समेम्लन में विवाह के पवित्र बंधन में बधें उन प्रत्येक जोड़े को सरकार द्वारा दी गई रू 15000/– की एफडी प्रदान की गई साथ मे समिति की ओर से कन्यादान स्वरूप में सिलाई मशीन, तथा नगर निगम द्वारा बनवाया मैरिज सर्टिफिकेट भी प्रदान किया।

इसके साथ साथ होली स्नेह – मिलन व फाग– उत्सव भी मनाया गया। जिसमे फुलो – गुलाब से हौली खिलाई गयी फाग उत्सव में महिलाओं तथा पुरुषों द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी गई। चुटकलो ,नृत्य ,घुमर ,भजनों हास्य– व्यंगय के द्वारा उपस्थित समाजबधुओ ने आंन्नद लिया जिसमें मनोहर सैनी, मेवा लाल, ओम प्रकाश चौहान, महैन्द्र चौहान, ओम गढवाल ने अपनी शानदार प्रस्तुतियां दी। इस आयोजन में समाज के सभी वर्गो ने बड़ी तादाद में भाग लिया।

आयोजन समिति के अध्यक्ष घीसू लाल गढ़वाल एवं समिति के कार्यकारिणी के मेंबरों द्वारा आए हुए मुख्य अतिथि व अध्यक्ष त्रिलोक चंद इंदौरा थे। जिनका स्वागत वह सम्मान किया गया। विशिष्ठ अतिथियो मे पुनम चन्द मारोठिया, हनुमान कच्छावा, सुगन चन्द उबाना, जयदेव सॉखला, मुरली मनोहर चौहान, सुरेन्द्र चौहान, चॉद मल टॉक, महेश चौहान, शारदा मालाकार, मनोरमा परिहार, पार्षद उमिर्ला गढवाल, विजय गहलोत मुख्य थे। इसके आलावा गणमान्य व्यक्तियो मे बिशन सॉखला, नेमी चन्द बबेरवाल, श्याम लाल तंवर, रमेश कच्छावा, पुनम चन्द, प्रदीप कच्छावा, चन्द्रशेखर मौर्य, ओम पालरिया, किशोर सांखला, सतीश सैनी, हैमराज सिसोदिया ,राजेन्द्र बागडी उपस्थित थे।

इस मिटिंग में 14 वॉ सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजन की तारीख भी तय की गई है जो दिनांक 8 मार्च, 2018 (फुलेरा दुज)को आजाद पार्क , अजमेर मे आयोजित किया जायेगा।

मंच का संचालन समिति अध्यक्ष धीसू गढवाल ने किया तथा कायर्क्रम मे पधारे सभी का आभार व्यक्त किया। सभी समाज बंधुओ ने कार्यक्रम के अंत मे गणेश भोजन –प्रसादी का आंनद ऊठाया।

परमार्थ सेवा मण्डल लालसागर द्वारा गौ-सेवा हेतु बनाई लापसी

जोधपुर । परमार्थ सेवा मण्डल लालसागर की तरफ से 300 गौ वंश के भोजन हेतु लापसी की व्यवस्था करवाई। परमार्थ सेवा मण्डल के संयोजक मिश्रीलाल ने बताया कि संस्था ने गौ सेवार्थ करीब 300 गौवंश हेतु लापसी निर्माण व वितरण की व्यवस्था की। उक्त लापसी शंकर मठ गौशाला मण्डोर गुफा, बेरी गंगा तीर्थ गौशाला व निम्बा निम्बड़ी गौशाला हेतु 1500 किलो के करीब लापसी बनाकर वितरित की गई। साथ ही तीनों गौशाला में कबूतरों के लिए ज्वार वितरित की गई।

राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसियेशन के प्रेसीडेन्ट रणजीत व परमार्थ मण्डल के संयोजक मिश्रीलाल चौहान, लायंस क्लब मण्डोर अध्यक्ष गोविन्दराम सांखला व क्लब के वरिष्ठ सदस्य उम्मेदसिंह टाक व साहिबराम गहलोत इस अवसर पर मण्डल के सदस्यों का मनोबल बढाने हेतु उपस्थित थे।

इस अवसर पर परमार्थ सेवा मण्डल के सदस्य पदमसिंह, चतुर्भुज, नन्दकिशोर, कल्याणदान, रतनसिंह, भंवरलाल, योगेश व खींवराज आदि सदस्य उपस्थित थे। यह जानकारी परमार्थ सेवा मण्डल संयोजक मिश्रीलाल ने दी साथ ही सभी आगंतुक व सहयोगियों को धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

त्रुटि सुधार

पत्रिका के जनवरी - 2018 अंक में पृष्ठ 20 पर प्रकाशित समाचार गलती से जोधपुर माली संस्थान चुनाव संपन्न की जगह माली समाज जोधपुर के चुनाव संपन्न त्रुटिवश प्रकाशित हो गया है। इसे जोधपुर माली संस्थान चुनाव हुए संपन्न प्रकाशित माना जाए। इस गलती के लिए संपादक मण्डल त्रुटि सुधार करता हुए सभी पाठकों से क्षमा प्रार्थी है।

- संपादक

आर्य समाज ने किये 55 विद्यालयों में वैदिक प्रतियोगिता का आयोजन किया

जोधपुर। आर्य समाज मंदिर,महर्षि पाणिनिगर के तत्वावधान मे वैदिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का पुरस्कार समारोह ईम्मानुइल मिशिन विद्यालय व श्री सुमेर उच्च माध्यमिक विद्यालय,केन्द्रीय विद्यालय नं.1, किसान कन्या विद्यालय,रा.बा.उ.मा.पुजला, जे.बी.एम. स्कुल,चैनपुरा विद्यालय,माँ शारदा विद्यापिठ,पैराडाईज सैकण्डरी विद्यालय,भदवासिया विद्यालय,आर.एस.एम.विद्यालय,सुरसागर, कालीबेरी विद्यालय, सेन्ट ऑस्टिन स्कूल इत्यादि विद्यालयों में आयोजित कि गई ।

जोधपुर शहर की 55 विद्यालयों में यह प्रतियोगिता आयोजित कि गई जिसमें 4200 विधार्थीयों ने भाग लिया। अलग अलग विद्यालयों में मुख्य अतिथि सेवाराम आर्य, हेमसिंह आर्य, बलवीर सिंह सी.ए., अभिषेक टाक, कुशजीत, चन्द्रकान्ता भाटी, विक्रम सिंह सांखला, करण सिंह भाटी, समाज सेवी जसवन्त सिंह कच्छवाहा, श्रीमती श्यामादेवी पार्षद, अशोक कच्छवाहा, गजेन्द्र साांखला, सेठ राजेन्द्र गहलोत, आर्य किशन सिंह गहलोत, सोमेन्द्र गहलोत, जयसिंह गहलोत, प्रदीप आर्य, नरपत सिंह भाभा, सेठ ज्ञान सिंह गहलोत, जगदीश देवड़ा, श्रीमती रचना टाक, संतोष आर्या, भावना देवड़ा, यशोदा आसेरी, रजनी तंवर, राजश्री कच्छवाहा, दाऊलाल परिहार, मनोहरसिंह सांखला, हजारीसिंह टाक, चन्द्रप्रकाश देवड़ा, अशोक आर्य, मनोहर सिंह द्वारा अलग अलग विद्यालय के विधार्थीयों को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह परीक्षा भारतीय संस्कृति व नैतिक शिक्षा की जानकारी हेतु बच्चों को ज्ञान प्राप्त हो इस उद्धेश्य से आर्य समाज विद्यालय में जाकर परिक्षा माध्यम के द्वारा बच्चों में राष्ट्र के प्रति भावना उत्पन्न कराना।

संयोजक श्री मदन लाल तंवर व प्रधान कैलाश चन्द्र आर्य के प्रयासों से स्वामी दयानन्द जी के विचारों को हर बच्चों को वेदो की जानकारी हो इस उद्धेश्य से अभी जोधपुर शहर में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जोधपुर जिले में यह प्रतियोगिता वर्ष 2018 में भी आयोजित की जायेगी।

माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक(पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका) , पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) , पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., न.पालिका) बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज) , पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा,भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली, पूर्व सरपंच, महिलावास, सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसा., जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुराराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर

माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास,
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार,
चौखा,जोधपुर सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू (पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लाराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान, तिवंरी
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां, तिवंरी
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा (उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां, तिंवरी
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल पुत्र(ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमामराम गहलोत, तिंवरी
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पूनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, जोधपुर
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी.ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, पीपाड़

माली सैनी सन्देश

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक _____

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियां आपको विगत 8 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गों में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यों की जानकारी प्रदान कर कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जार रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब-साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई-पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है। हमारी वेब साईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गों की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है। एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई- पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के सभी अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। **आप हमें Paytm से मोबाइल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज सकते है।**

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु 400/- | **पांच वर्ष रु 900/-** | **आजीवन रु 3100/-**

नाम/संस्था का नाम _____

पता _____

फोन।/मोबाईल _____ ई-मेल _____

ग्राम _____ पोस्ट _____ तहसील _____

जिला _____ पिनकोड _____

राशि (रुपये) _____ बैंक का नाम _____

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक _____ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक _____

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे : - प्रसार प्रभारी

माली सैनी संदेश पोस्ट बॉक्स नं।9, जोधपुर

3, जवरी भवन, भैरुबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज।)

Mobile : 9414475464/9214075464 visit us www,malisainisandesh.com
www.malisaini.org EAmail : malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योंकि

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पठकों का विशाल संसार

क्योंकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464,
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्पलेक्स के पीछे, सरपुरा, जोधपुर

राजेन्द्र सोलंकी ६३वें जन्मदिवस की झलकियाँ

विमंदित बच्चों के साथ

निवास स्थान पर सर्व समाज बंधुओं के साथ

जोधाणा वृद्धाश्रम में बुजुर्गों से आशीष लेते हुए

निम्बा निम्बड़ी गौशाला में शुभकमनाएं लेते हुए

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

गौशाला में गायों के लिए लाप्सी में सहयोग

माधव उद्यान में महाशिवरात्री को आयोज्य भजन संध्या की झलकियाँ

समाज गौरव नारायण सिंह कुशवाह के मध्य प्रदेश सरकार मे केबिनेट मंत्री बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

हमारे लोग, हमारी पहचान

माली सैनी प्रिवलिज कार्ड

आपका सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक दस्तावेज
समाज हित में हर व्यक्ति के लिए अत्यंत उपयोगी

माली सैनी प्रिवलिज कार्ड के उद्देश्य

- समाज का मास्टर डेटाबेस
- बिजनेस नेटवर्किंग
- मेट्रीमोनियल
- सामाजिक एवं धार्मिक सूचनाएं
- सरकारी योजनाओं
- लाभों की जानकारी
- जॉब्स और प्लेसमेंट
- व्यवसाय / डिस्काउंट्स

देश भर में माली सैनी कार्ड का वितरण जारी है माली सैनी कार्ड एवं इससे जुड़े डेटाबेस को हम समाज हित में किस तरह अधिक से अधिक उपयोगी बना सकते है, इस बारे में आपके रचनात्मक सुझाव सादर अपेक्षित है

अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन फार्म भरने के लिए सम्पर्क करें

www.malisainisandesh.com

Call : 941 447 5464

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR